Pramey Ratnamala Vachanika

Folder No.	022432
Granth Name	Pramey Ratnamala Vachanika
Author	Jaychand Chhavda
Publisher	Anantkirti Granthmala Samiti
Edition	1
Year	
Pages	252

प्रमेयरत्नमाला वचनिका

फोल्डर नं.	०२२४३२
ग्रन्थ	प्रमेयरत्नमाला वचनिका
लेखक	जयचंद छावडा
प्रकाशक	अनंतकीर्ति जैन ग्रंथमाला समिति सभा
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	
पृष्ठ	२५२

मुख्य टाइटल
नियमावली----------
भूमिका ---------- ४
विषयसूची ---------- १२
प्रथम समुद्देश ---------- १
पं. जयचंद्रजी विरचित मंगल ---------- १
पं. जयचंद्रजी विरचित मूल ---------- २
संस्कृत टीकाकारका मंगलाचरण ---------- ३
माणिक्यनंदिजीको नमस्कार ---------- ४
टीका बननेका संबंध और टीकाके द्वितीय नामका निरुक्त्यक अर्थ ---------- ५
प्रमाणका लक्षण तथा तद्विषयक अन्य प्रमाण कल्पनाओंका परिहार ---------- ११
अभ्यस्तदशा में ज्ञान स्वतः प्रणाम है... ---------- २५
द्वितीय समुद्देश ---------- ३४
क्रमपूर्वक सब संख्या वादियोंका मत प्रदर्शन.. ---------- ३५
मुख्य प्रत्यक्ष तथा सर्वज्ञ विषयक अन्यवादि स्वीकृत अन्यथा मतोंका परिहार और अपने मतका स्थापन------- ५७
तृतीय समुद्देश ---------- ८५
परोक्षका लक्षण और उसके भेद ---------- ८५
क्रमभावका लक्षण... ---------- ९५
दृष्टान्तके भेद और अन्वयव्यतिरके दृ,टान्तका लक्षण ---------- १११
आगमका लक्षण, मीमांसित कल्पित वेदके अपौरुषेयत्वका खंडन ---------- १३३
चतुर्थ समुद्देश ---------- १५७
विषयका लक्षण तथा अन्य वादिकल्पित सत्ता प्रधान आदि विषयके लक्षणका खंडन ---------- १५७
व्यितरेक विशेषका उदाहरण सहित लक्षण ---------- १८६
पंचम समुद्देश-फलका लक्षण तथा फलके भेद ---------- १८७

छठा समुद्देश ---------- १९०
आभास सामान्यका लक्षण स्वरूपाभास सामान्यका लक्षण ---------- १९०
भेदसहित हेत्वाभासका लक्षण ---------- २००
संख्याभासका लक्षण सोदाहरण ---------- २१०
भाषाटीका कर्ताकी प्रशस्ति ---------- २२१